भारत में फसल ऋतुएँ

(Crop seasons in india)



भारत के उत्तरी व आंतरिक भागों में तीन प्रमुख ऋतुएँ खरीफ रबी व जायद के नाम से जानी जाती हैं।

In the northern and interior parts of India, three major seasons are known as Kharif, Rabi and Zayed.





● खरीफ फसल ऋतु -खरीफ की फसलें अधिकतर दक्षिण-पश्चिमी मानसून के साथ बोई जाती हैं, जिसमें उष्ण कटिबंधीय फसलें सम्मिलित हैं:

जैसे :- चावल, कपास, जूट, ज्वार, बाजरा व अरहर आदि।

Kharif Crop Season - Kharif crops are mostly sown with the south-west monsoon, including tropical crops:

For example:- Rice, Cotton, Jute, Jowar, Bajra and Arhar etc.

बुआई अवधि(sowing period) - june-july (जून - जुलाई)

कटाई अवधि(harvesting period) - October-November (अक्टूबर - नवम्बर)

- रबी फसल ऋतु - रबी की फसलों को शीत ऋतु में अक्टूबर से दिसंबर के मध्य बोया जाता है और ग्रीष्म ऋतु में अप्रैल से जून के मध्य काटा जाता है। इस समय कम तापमान, शीतोष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय फसल जैसे-गेहूँ, चना, जौ, मटर और सरसों आदि की बुआई में सहायक होता है।

Rabi Crop Season - Rabi crops are sown in winter season between October to December and harvested in summer season from April to June. this time is helpful in sowing Low temperature, temperate and subtropical crops For example, wheat, gram, barley, peas and mustard etc.

- **जायद फसल ऋतु** - जायद एक अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन फसल ऋतु है, जो रबी और खरीफ फसल ऋतुओं के बीच ग्रीष्म ऋतु में बोई जाती है। इस ऋतु में तरबूज, खीरा, ककड़ी, सब्जियाँ व चारे की फसलों की कृषि सिंचित भूमि पर की जाती है। यद्यपि इस प्रकार की पृथक् फसल ऋतुएँ देश के दक्षिणी भागों में नहीं पाई जाती हैं।

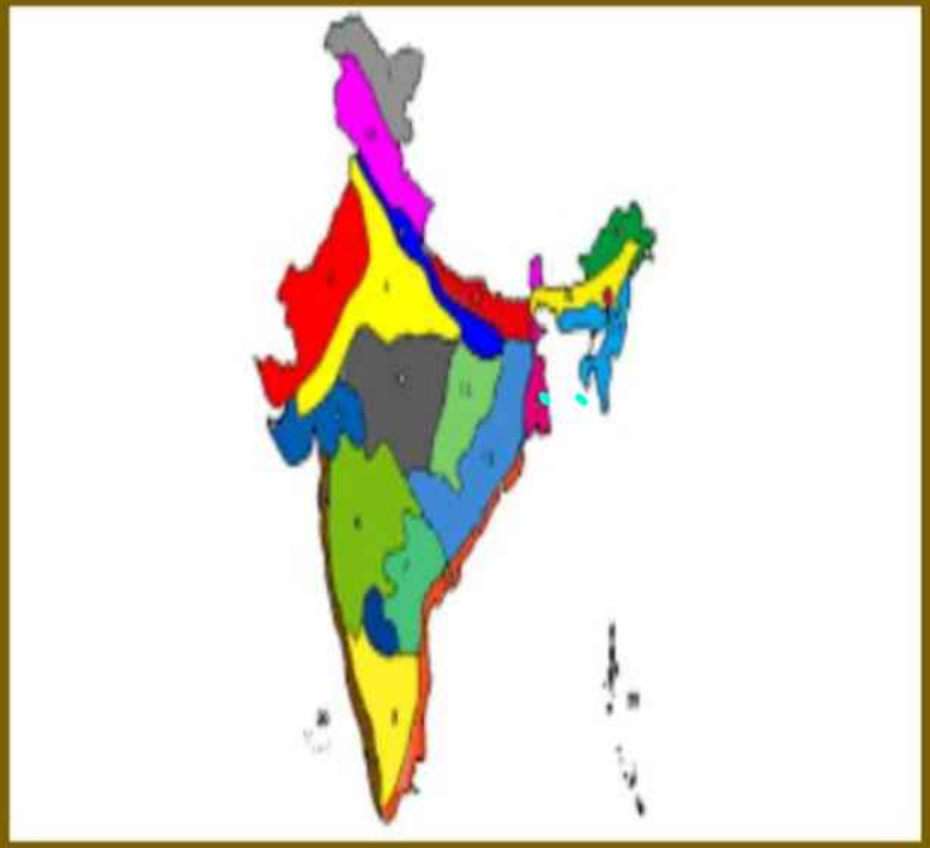
Zayed Crop Season - **Zayed is a short duration summer crop season, sown in the summer between Rabi and Kharif crop seasons. In this season, watermelon, cucumber, cucumber, vegetables and fodder crops are cultivated on irrigated land. However, such distinct crop seasons are not found in the southern parts of the country.**

बुआई अवधि(sowing period) – March- April

कटाई अवधि(harvesting period) – June -July

भारतीय कृषि ऋतु		
कृषि ऋतु	प्रमुख फसलें	
	उत्तरी भारतीय राज्य	दक्षिणी भारतीय राज्य
खरीफ (जून से सितंबर)	चावल, कपास, बाजरा, मक्का, ज्वार, अरहर (तूअर)	चावल, मक्का, रागी,ज्वार तथा मूँगफली
रबी (अक्टूबर से मार्च)	गेहूँ, चना, तोरिया, सरसों, जौ	चावल, मक्का, रागी, मूँगफली
जायद (अप्रैल से जून)	सब्जियाँ, फल, चारा फसलें	सब्जियाँ, चारा

प्रमुख फसलें / major crops





चावल / Rice



- भारत में अधिकांश लोगों का खाद्यान्न चावल (Rice) है। यद्यपि यह एक उष्ण आर्द्र कटिबंधीय फसल है।

Rice is the food grain of most of the people in India. Although it is a hot humid tropical crop.

- यह एक खरीफ की फसल है, जिसे उगाने के लिए उच्च तापमान (25° सेल्सियस से ऊपर) और अधिक आर्द्रता (100 सेमी से अधिक वर्षा) की आवश्यकता होती है।

It is a kharif crop, which requires high temperature (above 25°C) and high humidity (rainfall more than 100 cm) to grow.

- कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसे सिंचाई करके उगाया जाता है। चावल की फसल हेतू चिकनी एवं दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है।

In areas with low rainfall, it is grown under irrigation. Smooth and loamy soil is suitable for rice crop.

- भारत विश्व का 21.6% चावल उत्पादन करता है तथा चीन के बाद विश्व में यह दूसरा उत्पादक देश है।

India produces 21.6% of the world's rice and is the second producer in the world after China.

- देश के कुल बोए गए क्षेत्र के एक-चौथाई भाग पर चावल बोया जाता है। देश के प्रमुख चावल उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब हैं।

Rice is grown on one-fourth of the total cultivated area of the country. The major rice producing states of the country are West Bengal, Uttar Pradesh, Punjab.

- चावल की प्रति हैक्टेयर पैदावार पंजाब, तमिलनाडु, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल तथा केरल राज्यों में अधिक होती है। The per hectare yield of rice is high in the states of Punjab, Tamil Nadu, Haryana, Andhra Pradesh, Telangana, West Bengal and Kerala.

- चावल की प्रमुख किस्में आई आर 20, जया, पूसा-2-21, कावेरी, आईईटी-1039, आईईटी - 1136 हैं।

- **The major varieties of rice are IR 20, Jaya, Pusa-2-21, Kaveri, IET-1039, IET-1136.**

गेहूँ / wheat



- इसे उगाने के लिए समान रूप से वितरित 50 से 75 सेमी वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

It requires an evenly distributed annual rainfall of 50 to 75 cm to grow.

- गेहूँ की फसल हेतु तापमान 10°C - 15°C एवं जलोढ़ मिट्टी उपयुक्त है।
- Temperature 10°C - 15°C and alluvial soil is suitable for wheat crop.

NCERT

- देश के कुल बोए गए क्षेत्र के लगभग 14% भाग पर गेहूँ की कृषि की जाती है। गेहूँ के प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान हैं।

Wheat is cultivated on about 14% of the total sown area of the country. The major wheat producing states are Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Punjab, Haryana and Rajasthan.

मोटे अनाज / coarse grains

- ज्वार, बाजरा भारत में उगाए जाने वाले मुख्य मोटे अनाज (Coarse grains) है ,परंतु इनमें पोषक तत्त्व की मात्रा अधिक होती है।

Jowar, Bajra are the main coarse grains grown in India but they have high nutritional content.

- देश के कुल बोए गए क्षेत्र के 16.5% भाग पर मोटे अनाज बोए जाते हैं।
- Coarse cereals are sown on 16.5% of the total sown area of the country.

ज्वार / High tide





- ज्वार कुल बाए गए क्षेत्र के लगभग 5.3% भाग पर बोई जाती है |

Jowar is sown on about 5.3% of the total cultivated area, it is the main food crop of semi-arid areas of South and Central India.

- महाराष्ट्र अकेले देश में 50% से अधिक ज्वार का उत्पादन करता है। अन्य प्रमुख ज्वार उत्पादक राज्यों में कर्नाटक, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश व तेलंगाना हैं।

Maharashtra alone produces more than 50% of jowar in the country. Other major sorghum producing states are Karnataka, Madhya Pradesh, Andhra Pradesh and Telangana.



- दक्षिण राज्यों में यह खरीफ तथा रबी दोनों ऋतुओं में बोई जाती है, परंतु उत्तर भारत में यह मुख्यत: खरीफ की फसल है और यह चारा फसल के रूप में उगाई जाती है।

In southern states, it is sown in both Kharif and Rabi seasons, but in North India it is mainly a Kharif crop and is grown as a fodder crop.

- ज्वार की फसल हेतु 27°C-32°C तापमान 30-65 सेमी वार्षिक वर्षा एवं काली व चिकनी दोमट मिट्टी आवश्यक होती है।

27°C-32°C temperature, 30-65 cm annual rainfall and black and smooth loamy soil are necessary for sorghum crop.

- ज्वार की प्रमुख किस्में CSH-1, CSH-4, CSV-1, CSV-6, M35-1 हैं।
- **Major varieties of jowar are CSH-1, CSH-4, CSV-1, CSV-6, M35-1.**





बाजरा / Millet



- बाजरा उत्पादक प्रमुख राज्य महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान व हरियाणा हैं।

Major millet producing states are Maharashtra, Gujarat, Uttar Pradesh, Rajasthan and Haryana.

- बाजरे की फसल हेतु 25°C-31°C तापमान 40-50 सेमी वर्षा एवं हल्की रेतीली काली मिट्टी उपयुक्त होती है।

- 25°C-31°C temperature, 40-50 cm rainfall and light sandy black soil are suitable for Bajra crop.

- बाजरे की प्रमुख किस्में CO1, CO2, HHB67, WCC75 हैं।
- Major varieties of Bajra are CO1, CO2, HHB67, WCC75.

Home work

अन्य प्रमुख फसलों के
बारे महत्वपूर्ण जानकारियां Board Pdf
को देखकर अपनी कॉपी में
Note करना ।

मक्का / Maize



- यह एक ऐसी फसल है, जो खाद्यान्न व चारा दोनों रूप में प्रयोग होती है |

This is such a crop, which is used both as food and fodder.

- मक्का की फसल हेतु 21°C से 27°C तापमान, 50-70 सेमी वर्षा एवं पुरानी जलोढ़ मिट्टी आवश्यक होती है।

- 21°C to 27°C temperature, 50-70 cm rainfall and old alluvial soil are necessary for maize crop.

- यह फसल कुल बोए गए क्षेत्र के केवल 3.6% भाग में बोई जाती है।
- This crop is sown in only 3.6% of the total sown area.

- मक्का के प्रमुख उत्पादक राज्य कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान व उत्तर प्रदेश हैं।
- The major maize producing states are Karnataka, Madhya Pradesh, Bihar, Andhra Pradesh, Telangana, Rajasthan and Uttar Pradesh.

- गंगा 101, गंगा 3, हिमालय 123, जवाहर प्रभात मक्का की प्रमुख किस्में हैं।
- Ganga 101, Ganga 3, Himalaya 123, Jawahar Prabhat are the main varieties of maize.

तिलहन फसलें (oilseed crops)



मूँगफली / peanuts





● भारत विश्व में 16.6% मूँगफली (Groundnut) का उत्पादन करता है। यह मुख्यत: शुष्क प्रदेशों की वर्षा आधारित खरीफ फसल है, परंतु दक्षिण भारत में यह रबी की ऋतु में बोई जाती है। यह देश के कुल शस्य क्षेत्र के 3.6% क्षेत्र पर बोई जाती है।

India produces 16.6% of groundnut in the world. It is mainly a rainfed Kharif crop of dry regions, but in South India it is sown in Rabi season. It is sown on 3.6% of the total cropped area of the country.

- गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश इसके अग्रणी उत्पादक राज्य हैं।

- **Gujarat, Rajasthan, Tamil Nadu, Telangana and Andhra Pradesh are its leading producing states.**

रेशेदार फसलें / fiber crops



- रेशेदार फसलों से कपड़ा, थैला, बोरा व अन्य कई प्रकार की वस्तुएँ बनाई जाती हैं। कपास तथा जूट भारत की दो प्रमुख रेशेदार फसले (Fibre Crops) हैं।

- Cloth, bags, sacks and many other things are made from fibrous crops. Cotton and jute are the two major fiber crops of India.

कपास / Cotton



- भारत को कपास (Cotton) के पौधे का मूल स्थान माना जाता है। कपास एक उष्ण कटिबंधीय फसल (Tropical Crops) है, जो देश के अर्द्ध-शुष्क भागों में खरीफ ऋतु में बोई जाती है।

- India is considered to be the origin of the cotton plant. Cotton is a tropical crop, which is sown in the kharif season in semi-arid parts of the country.

- दक्कन पठार के शुष्कतर भागों में काली मिट्टी कपास उत्पादन के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

- **The black soil in the drier parts of the Deccan Plateau is considered suitable for cotton production.**

- इस फसल को उगाने के लिए उच्च तापमान (21°C-30°C), 50-75 सेमी वर्षा या सिंचाई, 210 पाला रहित दिन और तेज धूप की आवश्यकता होती है। यह खरीफ की फसल हैं।

- High temperature (21°C-30°C), 50-75 cm rainfall or irrigation, 210 frost-free days and bright sunlight are required for growing this crop. It is a Kharif crop.

- भारतीय कपास छोटे रेशे वाले (Short Staple), जबकि अमेरिकन कपास लम्बे रेशे वाले (Long Staple) होते हैं। भारत में दोनों किस्में उगाई जाती हैं। अमेरिकन कपास को देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में नरमा (Narma) कहा जाता है।

- Indian cotton is short staple, while American cotton is long staple. Both varieties are grown in India. American cotton is called Narma in the north-western part of the country.

- देश के समस्त बोए गए क्षेत्र (Total Sown Area) के लगभग 4. 7% क्षेत्र पर कपास बोई जाती है।

- Cotton is sown on about 4.7% of the total sown area of the country.

- कपास के अग्रणी उत्पादक राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पंजाब तथा हरियाणा हैं।

The leading cotton producing states are Gujarat, Maharashtra, Telangana, Andhra Pradesh, Punjab and Haryana.

- कपास की प्रमुख किस्में कल्याण, जरीना, गारौनी- इंदौरी, कोमिला इत्यादि हैं।
- **The main varieties of cotton are Kalyan, Zarina, Garauni-Indauri, Komila etc.**

जूट / Jute




JÜT

● जूट को सुनहरा रेशा कहा जाता है। जूट बाढ़ के मैदानों में जल निकास वाली उर्वर मिट्टी में उगाई जाती है, जहाँ प्रत्येक वर्ष बाढ़ से आई नई मिट्टी जमा होती रहती है।

Jute is called the golden fibre. Jute is grown in the fertile soils of the flood plains, where fresh soil from floods is deposited every year.

● जूट की फसल हेतु 24-35°C तापमान, 125-200 सेमी वर्षा एवं बलुई और दोमट मिट्टी आवश्यक होती है।

24-35°C temperature, 125-200 cm rainfall and sandy and loamy soil are necessary for jute crop.

- जूट का प्रयोग बोरियाँ, चटाई, रस्सी, धागे बनाने में किया जाता है।
- **Jute is used to make sacks, mats, ropes, threads.**

- जूट पश्चिम बंगाल तथा इससे सटे पूर्वी भागों की एक प्रमुख व्यापारिक फसल है।
- **Jute is an important commercial crop of West Bengal and adjoining eastern parts.**

- विभाजन के समय देश का विशाल जूट उत्पादक क्षेत्र बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में चला गया।

- At the time of partition, the vast jute producing area of the country went to Bangladesh (erstwhile East Pakistan).

- पश्चिम बंगाल देश के उत्पादन का तीन-चौथाई भाग उत्पन्न करता है।

West Bengal produces three-fourths of the country's production.

- बिहार, ओडिशा, मेघालय और असम अन्य जूट उत्पादक क्षेत्र हैं। यह देश के कुल शस्य क्षेत्र के 0.5% भाग पर बोया जाता है।

- Bihar, Odisha, Meghalaya and Assam are other jute producing regions. It is sown on 0.5% of the total cropped area of the country.

अन्य फसलें / other crops

- गन्ना, चाय तथा कॉफी भारत की अन्य महत्त्वपूर्ण फसलें हैं

Sugarcane, tea and coffee are other important crops of India.

गन्ना / Sugarcane



- गन्ना एक उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय फसल है। इसे उष्ण और आर्द्र जलवायु में बोया जाता है।

- Sugarcane is a tropical and sub-tropical crop. It is sown in hot and humid climate.

- गन्ने की फसल हेतु 21°C से 27°C तापमान और 75 सेमी से 100 सेमी वार्षिक वर्षा की आवश्यकता होती है।

- Sugarcane crop requires 21°C to 27°C temperature and 75 cm to 100 cm annual rainfall.

- उत्तर प्रदेश देश का 40% गन्ना उत्पादन करता है।
- Uttar Pradesh produces 40% of the country's sugarcane.

- भारत में इसकी कृषि महाराष्ट्र व गुजरात कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में की जाती है।
- In India, it is cultivated in Maharashtra,Gujrat, Karnataka, Tamil Nadu, Telangana and Andhra Pradesh.

- ब्राजील के बाद भारत विश्व का प्रमुख गन्ना उत्पादक देश है।

देश के कुल शस्य क्षेत्र के 2.4% भाग पर ही इसकी कृषि की जाती है।

- **India is the Main producer of sugarcane in the world after Brazil. It is cultivated only on 2.4% of the total cultivated area of the country.**

चाय / Tea



- चाय एक रोपण फसल (Plantation Crop) है, जो पेय पदार्थ के रूप में प्रयोग की जाती है।

Tea is a plantation crop, which is used as a beverage.

- चाय की पत्तियों में कैफिन तथा टैनिन की मात्रा अधिक होती है।

The amount of caffeine and tannin in tea leaves is high.

- चाय की फसल हेतु 24-30°C तापमान, 150-250 सेमी वर्षा तथा ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी आवश्यक होती है।

- 24-30°C temperature, 150-250 cm rainfall and deep soil containing humus and organic matter are essential for tea crop.

- भारत में चाय की कृषि 1840 ई. में असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में प्रारंभ हुई, जो आज भी देश का प्रमुख चाय उत्पादक क्षेत्र है।

- Tea cultivation in India started in 1840 AD in the Brahmaputra valley of Assam, which is still the main tea producing region of the country.

- बाद में इसकी कृषि पश्चिम बंगाल के उपहिमालयी भागों (दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी तथा कूचबिहार जिलों) में प्रारंभ की गई।
- **Later its cultivation was started in the sub-Himalayan parts of West Bengal (Darjeeling, Jalpaiguri and Coochbehar districts).**
- दक्षिण में चाय की कृषि पश्चिमी घाट की नीलगिरि (Nilgiri) तथा इलायची की पहाड़ियों (Cardamom Hills) के निचले ढालों पर की जाती है।
- **In the south, tea is cultivated on the lower slopes of the Nilgiris and Cardamom Hills of the Western Ghats.**

• असम के कुल शस्य क्षेत्र (Total Cropped Area) के लगभग 53.2% भाग पर चाय की कृषि की जाती है।

• Tea is cultivated on about 53.2% of the total cropped area of Assam.

• भारत चाय का अग्रणी उत्पादक देश है, चाय निर्यातक देशों में भारत का विश्व में प्रमुख स्थान है।

• India is the leading producer of tea . India is main tea exporting country in world.

कॉफी / coffee

- कॉफी एक उष्ण कटिबंधीय रोपण फसल (Tropical Plantation Crop) है। भारतीय कॉफी अपनी गुणवत्ता के लिए विश्वविख्यात है। इसके बीजों को भूनकर पीसा जाता है तथा एक पेय के रूप में प्रयोग किया जाता है।

- Coffee is a tropical plantation crop. Indian coffee is world famous for its quality. Its seeds are roasted and ground and used as a drink.





- कॉफी की तीन किस्में हैं- अरेबिका, रोबस्टा व लिबेरिका। भारत अधिकतर उत्तम किस्म की अरेबिका कॉफी का उत्पादन करता है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत अधिक माँग है। भारत में अरेबिका कॉफी आरंभ में मध्य एशिया के देश यमन से लाई गई थी।

- **There are three varieties of coffee – Arabica, Robusta and Liberica. India produces mostly premium quality Arabica coffee, which is in high demand in the international market. Arabica coffee was initially brought to India from the country of Yemen in Central Asia.**

● कॉफी की फसल हेतु 16°C -28°C तापमान, 150-250 सेमी वर्षा एवं जल प्रवाह युक्त पहाड़ी ढालों पर दोमट मिट्टी आवश्यक होती है।

Loamy soil on hill slopes with 16°C- 28°C temperature, 150-250 cm rainfall and water flow is essential for coffee crop.

● भारत में कॉफी की कृषि बाबा बूदन पहाड़ियों तथा नीलगिरि की पहाड़ियों के आस-पास कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में की जाती है। कर्नाटक, अकेले भारत की कुल कॉफी उत्पादन का दो-तिहाई उत्पादित करता है। In India, coffee is cultivated in Karnataka, Kerala and Tamil Nadu around Baba Budan hills and Nilgiri hills. Karnataka alone produces two-thirds of India's total coffee production.

रबड़ / rubber



- रबड़ भूमध्यरेखीय क्षेत्र की फसल है, परंतु यह विशेष परिस्थितियों में उष्ण और उपोष्ण क्षेत्रों में भी उगाई जाती है। इसके लिए 200 सेमी से अधिक वर्षा और 25°C सेल्सियस से अधिक तापमान वाली नम और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है।

- **Rubber is a crop of equatorial region, but it is also grown in tropical and sub-tropical regions under special conditions. It requires moist and humid climate with more than 200 cm of rainfall and temperature above 25°C.**

- रबड़ की फसल हेतु जल प्रवाह युक्त गहरी दोमट मिट्टी आवश्यक होती है।
- Deep loamy soil with water flow is essential for rubber crop.
- रबड़ एक महत्त्वपूर्ण कच्चा माल है, जो उद्योगों में प्रयुक्त होता है। इसे मुख्य रूप से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और मेघालय की गारो पहाड़ियों में उगाया जाता है।
- Rubber is an important raw material, which is used in industries. It is mainly grown in Kerala, Tamil Nadu, Karnataka, Andaman-Nicobar Islands and Garo Hills of Meghalaya.